आत्म-अनुभूति

(3)

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	शीर्षक	गीत की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या
01.	असलियत स्वरूप की पहचान	मैंने तुमको देख लिया	01
02.	आत्मिक ज्ञान की मानव जीवन में महत्ता	आत्मिक ज्ञान धारणा द्वारा	05
03.	आत्म विश्वास	सब कुछ करने की हिम्मत	07
04.	हम मनुष्य हैं	हम मनुष्य हैं	10
05.	सर्वव्यापी सर्वज्ञ सर्वशक्तिमान परमात्मा	मैं सम हूँ	12
06.	ख़ुद ही ख़ुदा हो	ख़ुद हो ख़ुदा जब यह	16
07.	इन्सानियत	हम इन्सान हैं	17
08.	परमेश्वर	जब जीना मरना सम हो जाता है	27
09.	सच्चाई	सुध लवो अपने सच्चे घर दी	28
10.	सजन-भाव की पढ़ाई	समभाव-समदृष्टि की युक्ति	35
11.	सजन-भाव	इस जगत में जो भी मानव	36
12.	सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म	मानव धर्म है सबका साँझा	38
13.	मैं सम हूँ	मैं सम हूँ	40
14.	आत्मविश्वासी बनो	ख़ुद में ख़ुदावन्द को देख	43
15.	स्वच्छ ख़्याल	जब ख़्याल स्वच्छ हो जाता है	45
16.	अनुकम्पा	मेरे साजना दयालु मिले न	47
17.	सार्वभौमिक एकता	मैं हिन्दु, मुस्लिम, सिख, ईसाई	48
18.	शून्य	मैं शून्य, शून्य हूँ	51
19.	ईश्वर अपने आप पर कहते हैं-मैं क्या हूँ?	मैं ही सब हूँ, मैं ही सर्व हूँ	53
20.	हुण मैं सच वण्डांगा	सजन-भाव समभाव अपनाकर	62

क्र.सं. शीर्षक	गीत की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या
21. धर्म	धर्म मानव की है वह वृत्ति	63
22. सत्य	मैं सत्य हूँ सदा सम रहता हूँ	72
23. शान्ति	मेरा मन सदा एकरस रहे	80
24. मुझे शान्ति दो	मुझे शान्ति दो, मुझे शान्ति दो	81
25. मुझे शक्ति दो	मुझे शक्ति दो, मुझे शक्ति दो	82
26. मानव धर्म	अनेक धर्मों को छोड़ो सजनो	84
27. सच का व्यापारी	मैं सत्यार्थ इस जगत	86
28. अतीन्द्रिय सुख	सुख सम्पत्ति अनमोल है	88
29. प्रसन्नता	प्रसन्नता तो हर मानव का	91
30. सदाचार अपनाओ	आओ जानें एक मानव का	95
31. नैतिकता अपनाओ	नैतिक दृष्टि से अच्छा आचरण	97
32. सर्व ब्रह्माण्ड सम कर जानो	मैं ऊँचा ऊँचों से भी ऊँचा	98
33. प्रेम रस	प्रेम रस पी लै	100
34. मिथ्या आचरण छोड़ो सदाचार अपनाओ	मिथ्या जगत विच आके जीव ने	102
35. माया का यथार्थ	अभी जो हम सब देख रहे हैं	107
36. माया	माया ठगिनी दे जाल विच फँसकर	109
37. भगवान एक है	राम हो, रहीम हो	111
38. तूं ही तूं, हर सूं	तूं ही तूं, हर सूं	113
39. हम सब एक हैं	मुझको देखो, मुझमें रब है	115
40. जागरण	द्वि-द्वेष को छोड़ो सजनो	116
41. हँसन हसइय्या	आओ मिल कर खेलें खेल	117
42. हँसी हार्दिक आनन्द की अभिव्यक्ति	रोने के दिन गए	119

क्र.सं. शीर्षक	गीत की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या
43. खुशी का महत्त्व	खुश रहने की ख़ातिर त्यागो खुदी	121
44. हँसने के लिए समरस रहो	सब हँस रहे हैं, तुम भी हँसो	123
45. हँसना इबादत है	ख़बरदार-ख़बरदार	125
46. हँसना-चमत्कारी औषधि	हँसना हँसना, हँसना हँसना	126
47. हम हँसें तुम हँसो	हम हँसें तुम हँसो	128
48. निर्मल यारी	सारे खुश होवो	129
49. हास्य-मुक्तक	हँसना हँसना हँसना जी हँसना	130
50. अनमोल हँसी	सजनां वे, सजनां वे	132
51. असली यश	जियरा चाहे खेले हँसन-हसइय्या	134
52. नेक कमाई	जिन्होंने हमको पाला-पोसा	136
53. शान्ति दो, प्यार दो	मेरे पास तो हर चीज़ है	137
54. सर्व एक जोत मानो	मैं जो कहने लगा हूँ	138
55. होली खेलने चले	होली खेलने चले	139
56. सन्तोष अपनाओ	तूने यह संसार बनाया	140
57. अमर प्रीत	तूं तो जो भी है खुशनसीब है	142
58. शान्ति दूत	हम नन्हे मुन्ने बच्चे	143
59. बच्चो का पालन-पोषण	छोटे बच्चे होते अच्छे	144
60. कर्त्तव्य की पहचान	मैं तो इनका अपना हूँ	147
61. मनुष्यता अपनाने हेतु जागृति	मानव तो है परमेश्वर की	148
62. शान्ति-शक्ति का हथियार	घर-घर दे विच रख लवो	155
63. निर्विकारी बनो	निन्दा चुगली करने वालो	156
64. कहानी	जब अपने अपने अपनों को	158
65. असत्य का चक्रव्यूह	जो विद्यमान है हृदय में	161

क्र.सं. शीर्षक	गीत की प्रथम पंक्ति	पृष्ठ संख्या
66. सद्पुरुषों का सबक	बड़े लक्ष्य की ओर आओ बढ़ें	164
67. भय	जब किसी के हृदय में	165
68. भटकाव	यह कैसे और क्यों कर होता है	167
69. चिराग तले अँधेरा	चिराग तले अँधेरा होता	170
70. अपना घर परमधाम	अपने घर में रहो	177
71. समरसता हेतु आवाहन	कोई बोले न बोले पर तुम बोलो	178
72. उखड़े दिल मिला लो	हमें खुश रहने दो	179
73. कवि का कर्त्तव्य	अरे कवियो यह तुमने क्या कर डाला	181
74. पावन बूँद	एक बूँद से रंग मिला	182
75. जागृति-गृहस्थधर्म के प्रति	अपना गृहस्थ बनान लई	184
76. सत्य धारणा का स्रोत	जब जीव जगत में आता है	187
77. मन पर विजय	बुरा करने वालों से पूछो	189
78. मैं इन्सान हूँ	मैं इन्सान हूँ	190
79. मैं नित्य हूँ	मैं नित्य हूँ	191
80. सर्वव्यापक परमेश्वर	मैंने देखा	193
81. मेहर की नज़र	उसकी नज़र जब उठती है	195
82. नेक बनो और नेकियाँ करो	नेकियाँ नेकियाँ करो सदा नेकियाँ	196
83. नीयत	मन में रहने वाला	197
84. साजन पूत हैं मिठड़े	साजन पूत हैं मिठड़े	198
85. अच्छे बच्चे बनने हेतु	छोटे-छोटे बच्चे बनकर	200
86. नव वर्ष मुबारक	नया साल नई हो बातें	203
87. शुभ सन्देश	सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ के अनुसार	204